vinetur

यूरोपीय संसद ने ईयू के प्रचार कार्यक्रम में मांस और मादक पेय को बनाए रखने का समर्थन किया

गैर-बाध्यकारी मतदान से संकेत मिलता है कि यूरोपीय आयोग के अगले कार्य कार्यक्रम का मसौदा तैयार करने से पहले नीति का दायरा सीमित करने का व्यापक विरोध है

शनिवार, 14 नवंबर 2026



यूरोपीय सांसदों ने गुरुवार, 12 नवंबर को मांस और मादक पेय को यूरोपीय संघ की कृषि-खाद्य उत्पाद प्रचार नीति के तहत सहायता के योग्य बनाए रखने के पक्ष में मतदान किया। साथ ही, उन्होंने नियमों को सरल बनाने, वित्तपोषण तक पहुंच आसान करने और भविष्य के अभियानों के लिए स्थिर धन मुहैया कराने की मांग की।

ब्रसेल्स में बैठक के दौरान यूरोपीय संसद के सदस्यों ने इस नीति पर स्वप्रेरित रिपोर्ट को भारी बहुमत से मंजूरी दी। इसके पक्ष में 476, विरोध में 83 और 42 सदस्यों ने मतदान से परहेज किया। रिपोर्ट यूरोपीय पीपुल्स पार्टी के केंद्र-दक्षिणपंथी इतालवी सांसद Salvatore De Meo ने तैयार की थी। इसका उद्देश्य यूरोपीय आयोग के अगले कार्य कार्यक्रम की तैयारी के बीच संसद का रुख स्पष्ट करना है।

इस प्रस्ताव से ईयू का प्रचार कार्यक्रम अपने आप नहीं बदलता। लेकिन यह आयोग के लिए एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत है, ऐसे समय में जब नीति के दायरे और खास तौर पर कुछ उत्पाद श्रेणियों के साथ होने वाले व्यवहार पर संसद के भीतर बहस चल रही है।

12 नवंबर को मंजूर पाठ में सांसदों ने व्यापक रूप से व्यवस्था को सरल बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ईयू से प्रचार सहायता के लिए आवेदन करते समय कंपनियों और उत्पादक समूहों को कम जटिल नियमों का सामना करना चाहिए। उन्होंने धन तक पहुंच में अधिक लचीलापन लाने का भी आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने नीति के लिए पर्याप्त वित्तपोषण की मांग की, ताकि निर्यात बाजारों और अन्य लक्षित गंतव्यों में कार्यक्रम प्रभावी बना रहे।

प्रस्ताव में एक ठोस मुद्दा विदेशों में बेचे जाने वाले उत्पादों की ब्रांडिंग से जुड़ा है। सांसदों ने कहा कि विदेशी बाजारों के लिए बने पैकेजों पर उत्पादक देश की पहचान बताने वाले मूल-स्थान चिह्नों के साथ “Enjoy, it’s from Europe” का नारा भी होना चाहिए। इसका उद्देश्य ईयू की साझा प्रचार पहचान को उन राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मूल-स्थानों से अधिक मजबूती से जोड़ना है, जिनका खाद्य और पेय उत्पादकों के लिए अक्सर व्यावसायिक महत्व होता है।

बहस का सबसे संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा यह था कि क्या मांस और मादक पेय सहायता के पात्र बने रहने चाहिए। संसद ने कहा कि उन्हें पात्र बने रहना चाहिए। कार्यवाही के विवरण के अनुसार, मसौदा तैयार करने के दौरान इस मुद्दे पर राजनीतिक समूहों में मतभेद थे। ऐसे में अंतिम मतदान उन क्षेत्रों के लिए उल्लेखनीय जीत रहा, जो इस मामले पर करीबी नजर रखे हुए थे।

De Meo ने नतीजे का स्वागत करते हुए कहा कि ये उत्पाद यूरोप की कृषि-खाद्य विरासत और पहचान का हिस्सा हैं। उनका रुख अंतिम पाठ में प्रभावी रहा, जिसमें प्रचार नीति के तहत उनकी पात्रता बनाए रखने का स्पष्ट समर्थन किया गया है।

यह शराब और अन्य मादक पेय के उत्पादकों के लिए अहम है, क्योंकि ईयू समर्थित प्रचार अभियानों तक निरंतर पहुंच से उन्हें संघ के बाहर अपने उत्पादों का विपणन करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। पेय कंपनियों और उत्पादक समूहों के लिए यह सवाल केवल प्रतीकात्मक नहीं है। यह कार्यक्रम तय कर सकता है कि शराब, बीयर और स्पिरिट जैसे क्षेत्र निर्यात बाजारों में प्रचार-प्रसार के लिए सार्वजनिक सहायता कितनी आसानी से हासिल कर सकते हैं—खासकर तब, जब उत्पादक विदेशों में लाभ का अंतर बनाए रखने और बाजार हिस्सेदारी बचाने की कोशिश कर रहे हों।

संसद के मतदान से यह भी संकेत मिलता है कि सांसदों का बहुमत ईयू की प्रचार व्यवस्था को इस तरह सीमित नहीं करना चाहता कि इन श्रेणियों को बाहर कर दिया जाए। इसके बजाय, वे आयोग से अधिक व्यावहारिक समीक्षा की दिशा में बढ़ने का आग्रह करते दिखते हैं, जिसमें प्रशासनिक बोझ, वित्तपोषण तक पहुंच और विदेशी बाजारों में यूरोपीय उत्पादों की दृश्यता पर ध्यान हो।

यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब ब्रसेल्स अगले नीतिगत एजेंडे की सक्रिय रूप से तैयारी कर रहा है। इसलिए मतदान को अतिरिक्त महत्व मिलता है, हालांकि यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। आयोग के औपचारिक प्रस्ताव पेश करने या प्रचार कार्यक्रम की भावी प्राथमिकताएं तय करने से पहले संसद इस मामले के जरिए अपना शुरुआती रुख जाहिर कर रही है।

उत्पादक संगठनों, निर्यातकों और राष्ट्रीय अधिकारियों के लिए 12 नवंबर का संदेश यह है कि संसद नीति को कृषि-खाद्य क्षेत्र के व्यापक साधन के रूप में बनाए रखना चाहती है, न कि पात्र उत्पादों की संकरी सूची के इर्द-गिर्द इसे नए सिरे से तैयार करना। यह रुख उन देशों के लिए खास तौर पर महत्वपूर्ण हो सकता है जहां शराब और अन्य मादक पेय कृषि आय, ग्रामीण रोजगार और निर्यात प्रदर्शन से निकटता से जुड़े हैं।